

शब्द समूहों के त्विरुप रूपक शब्द

जिसे कहा न जा सके - अकथनीय

जो स्मरण रखने योग्य है - स्मरणीय

{ जो चक्र (घाट) करता है - चक्र (घर)

{ जिसके (हाथ) में चक्र है - चक्र (पाणि)

जिसका कोई शत्रु पैदा न हुआ हो - अजातशत्रु

जिसका कोई शत्रु न हो - निःशत्रु

जिसने इन्द्रियों को जीत/वश में कर लिया हो - जितेन्द्रिय

जिसने इन्द्र को जीत लिया हो - इन्द्रजीत

{ जंगल में लगने वाली आग - दावानल

{ समुद्र में लगने वाली आग - बड़वानल

{ शोणन पचाने वाली पेट की आग - जठराग्नि (विश्वानर)

{ मृत्यु के समय जलाई जाने वाली आग - सव्य

{ रास्ते में खाने-पीने वाली खाद्य सामग्री - पाथेय

जो अभी-अभी उत्पन्न हुआ हो - प्रद्युम्न (नवजात X)

नीले रंग का कमल - इंदीवर

इससे में दोष खोजने वाला - दिष्टान्वेषी

{ जिसे (करना) कठिन हो - दुष्कर

जिसे करना आसान हो - सुकर

{ जिसे पाना कठिन हो - दुर्लभ

जिसे पाना आसान हो - सुलभ

अधिक बोलने वाला - वाचाल

बिल्कुल न बोलने वाला - मूक

{ कम बोलने वाला - (मिथुमाधी), मधुर बोलने वाला - (मृदुमाधी)

महल का वह स्थान जहाँ रानियों का निवास हो - अंतःपुर

{ जो (पहले घा) उब नहीं - (मृतशुर्व)

{ जो (पहले कभी न) हुआ हो - (अमृतशुर्व)

जहाँ सिक्के ढाले जाते हैं - लकखाल

वनस्पति खा कर रहने वाला - शाकाहारी

{ बहुत समय तक स्मरण रखने योग्य - (धिर) स्मरणीय

{ स्मरण रखने योग्य - स्मरणीय

दावानल
बड़वानल
विश्वानर
सव्य

जिते जीत न जा सके - अपजेय
 जिते पराजित न किया जा सके - अपराजेय
 जिते जीत लिया गया है - विजित
 जितने जीत है - विजेता
 जितने सबको जीत लिया है - सर्वजीत

विजित
 विजेता
 अपजेय
 अपराजेय
 अक्रान्त
 अक्रान्त
 निःशत्रु
 अजातशत्रु
 सर्वजीत
 शत्रुघ्न
 युयुत्सा
 युयुत्सु

उन्मानक होने वाला - आकास्मिक
 सौ करोड़ की संख्या - शतकोटि / अरब
 ऊपर कहा गया - उपर्युक्त (उपरि + युक्त)
 ऊपर लिखा गया - उपरिलिखित

जिसका विश्वास ईश्वर पर है - आस्तिक
 जिसका विश्वास ईश्वर पर नहीं है - नास्तिक

{ जो पहले कभी सुना न गया हो - असुत / असुत
 { जो पहले देखा न गया हो - अदृश्य / अदृश्य

{ जल में रहने वाला प्राणी - जलचर
 { धरती पर रहने वाला प्राणी - भूचर
 { जल, भूचर दोनों पर रहने वाला प्राणी - उभयचर
 { आकाश में उड़ने वाला प्राणी - खग / नभचर

जलचर
 जलचर
 नभचर
 उभयचर

जो नया-नया आया है - नवागन्तुक
 जो मुकदमा दापर करता है - वादी (मुद्दयी)
 जिस पर मुकदमा दापर होता है - प्रतिवादी (मुद्दालेह)
 जो शत्रु की हत्या करता है - शत्रुघ्न
 जो अपनी हत्या करता है - आत्महंसा
 जो सबसे पहले गिनने योग्य है - अग्रगण्य
 जो गिनने लायक नहीं है - नगण्य
 आगे-आगे चलने वाला - अग्रगामी
 पीछे-2-चलने वाला - पश्चगामी / अनुगामी
 आगे-आगे चलकर रास्ता दिखाने वाला - पथप्रदर्शक
 जानने की इच्छा - जिज्ञासा
 जानने की इच्छा रखने वाला - जिज्ञासु
 पीने की इच्छा - पिपासा
 पीने की इच्छा रखने वाला - पिपासु

खाने की इच्छा - बुभुक्षा

खाने की इच्छा रखने वाला - बुभुक्षु

पुष्ट की इच्छा - युयुत्सा

पुष्ट की इच्छा रखने वाला - युयुत्सु

मोक्ष की इच्छा - मुमुक्षा

मोक्ष पाने की इच्छा रखने वाला - मुमुक्षु

मरने की इच्छा - मुमूर्षा

मरने की इच्छा रखने वाला - मुमूर्षु

बहु बीमारी जो कभी ठीक न हो सके - असाध्य

जिस पद के लिए वेतन न मिलता हो - अवैतनिक

जिसकी जीविका अम द्वारा चले - अमजीवी

जो बहुत जल्दी प्रसन्न हो जाय - आशुतोष

जिसके पाल मुँह न हो - अकिंचन

जो आशा से परि हो - आशाशित

जिसकी आशा न की गई हो - अप्रत्याशित

आशा जगाने वाला - आशाजनक

चैर से लेकर मल्लक तक - आपादमल्लक

जिसके हाथ में शूल / बिशूल हैं - शूलपाणि

जिसके हाथ में वीणा है - वीणापाणि

जिसके हाथ में बज्र हैं - बज्रपाणि

पर्वत को धारण करने वाला - गिरिधर / गिरिधारी

जो लोहे की तरह बाधित है - लौहपुरुष

जिसे कटा न जा सके - अकथनीय

जिसका वर्णन न हो सके - अवर्णनीय

जिसे बाणी / वचन ग्राह्य न कहा जा सके - अनिवर्चनीय

धीरे-धीरे या मंद गति से काम करने वाला - दीर्घरुही

जल में उत्पन्न होने वाला - जलज

अण्डे से उत्पन्न होने वाला - अण्डज

पसीने से उत्पन्न होने वाला - स्वेदज

धरती कोड़ कर जन्म लेने वाला - उद्गमिज

स्वयं उत्पन्न होने वाला - स्वयंभू

उद्गमिज

अण्डज

जलज

स्वेदज

स्वयंभू

जिसे बाहरी दुनिया का कोई ज्ञान न हो - कूपमण्डूक

धरती और आकाश के बीच का स्थान - अधर

धरती और गूहों के बीच का स्थान - अन्तरिक्ष

बहु बिन्दु जहाँ धरती एवं आकाश मिलते हुए प्रतीत होते हैं - अक्षितिज

जहाँ पर नदियाँ मिलती हैं - संगम

जो तीनों कालों को जानता है - त्रिकालग्य

जो तीनों कालों को देखता है - त्रिकालदर्शी

गठन के रूप में दी जाने वाली सहायता - तकावी

जो अपने पद से हटा दिया गया है - पदच्युत / अपदस्त

जो पूजने योग्य है - पूज्य / पूजनीय

जिस समय मित्रता बड़ी मुश्किल से मिलती है - दुर्ग्रिह

जिस पर आक्रमण हुआ है - आक्रान्त

जिसने आक्रमण किया है - आक्रान्त

जिसके समान कोई दूसरा न हो - अद्वितीय

जिसके बराबरी का कोई दूसरा न हो - बेजोड़

जिसकी धर्म में निष्ठा हो - धर्मनिष्ठ

धर्म से सम्बन्धित - धार्मिक

धर्म को मानने वाला - धर्मज्ञ

जिसका यश चारों ओर फैला हो - यशस्वी

जो कभी मरे नहीं - अमर

जो कभी बूढ़ा न हो - अजर

बाँझ हाथ से काम करने वाला - सव्यचारी

जिसकी सुनने की शक्ति क्षीण हो गई हो - बाधिर

उत्तर व पूर्व का कोण - ईशान

पूर्व व दक्षिण का कोण - आग्नेय

दक्षिण व पश्चिम का कोण - मैत्रल्य

पश्चिम व उत्तर का कोण - वायव्य

पर्वत के ऊपर की समतल भूमि - आधित्यका / पठार

पर्वत के नीचे की समतल भूमि - उपत्यका / घाटी

दो पर्वतों के बीच की भूमि - द्रोणी

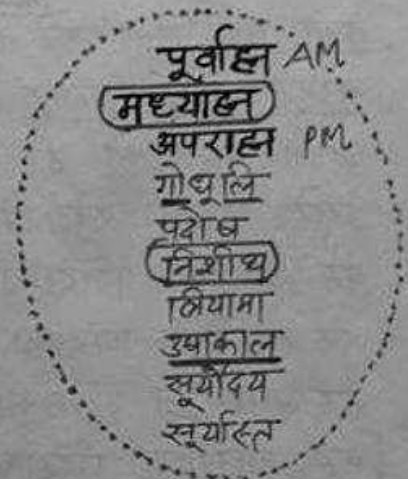
जिसका जन्म कन्या (अविवाहित माँ) के गर्भ से हुआ है - कार्त्तिक

उत्तर
अग्नेय
अक्षितिज



- ✓ ऐसी सन्तान जो वैध है- खोरस
 ऐसी सन्तान जो अवैध है- जारज
 जो पुत्र अपने पिता के शरीर से उत्पन्न हो- आत्मज / तनय
 एक ही माँ के पेट से उत्पन्न- सहोदर
 दूसरी माँ के पेट से उत्पन्न- अंत्योदर
 वह ग्रहण जिसमें सूर्य / चन्द्रमा पूरी तरह डंक जाय- सर्वग्रास / खग्रास
 वह ग्रहण जिसमें सूर्य / चन्द्रमा आंशिक रूप से डंके- खण्डग्रास
 हरा-भरा मैदान- शाद्वल

- ✓ तारों भरी रात- विभावरी
 जिसकी कल्पना की जा सके- कल्पनीय
 जिसकी कल्पना न की जा सके- अकल्पनीय - जिसकी कल्पना की गई हो- कल्पित
 जिसकी कल्पना न की गई हो- अकल्पित
 ✓ जो पढ़ा न गया हो- अपठित
 ✓ जो कल्पना से परे हो- कल्पनातिर
 जो आशा से परे हो- आशातिर
 सुन्दर आँखों वाली- सुनैना / सुलोचना
 जहाँ तक सम्भव हो- यथासंभव
 जिसकी ग्रीवा सुन्दर हो- सुग्रीव
 दो बार जन्म लेने वाला- द्विज
 जिसका कोई आधार न हो- आधारहीन
 { आकाशक्षेप्य / डूने वाला- गगनरुपशी
 आकाश को चूमने वाला- गगनचुम्बी
 आकाश को भेदने वाला- गगनभेदी
 जिसने मृत्यु पर विजय पा लिया हो- मृत्युंजय
 जिस काम के लिए बेतन न मिलता हो- अवैतनिक
 दूसरों से ईर्ष्या करने वाला- ईर्ष्यालु
 दोपहर से पहले का समय- पूर्वाह्न
 दोपहर का समय- मध्याह्न
 दोपहर व सन्ध्या के बीच का समय- अपराह्न
 सन्ध्या व रात्रि के बीच का समय- गोशुलि
 रात्रि का पहला पहर- प्रदोष
 मध्य रात्रि का समय- निशीथ



रात्रि का तीसरा चहर - त्रियामा

सूर्योदय से पहले का समय - उषाकाल

सूर्य उगने का समय - (सूर्योदय) / अरुणोदय

दैव / प्रकृति से मिलने वाला कह - आधिदैविक

व्याप्ति / प्राणियों से मिलने वाला कह - आधिभौतिक

जो मौंस न खाता हो - निरामिष

मौंस खाने वाला - शाभिष

जिसने पुण्य कार्य के लिए अपने प्राण दे दिया हो - (हुतात्मा)

जो सब स्थानों से सम्बन्धित हो - सार्वभौम

लाल रंग का कमल - कोकनद

सफेद रंग का कमल - पुण्डरीक

कोकनद
इन्दीवर
पुण्डरीक

जो अभी खिला न हो - अप्रकुल्लित

दस वर्ष तक की अविवाहित कन्या - (गौरी)

बारह से सोलह वर्ष तक की नायिका - (किशोरी)

अपने पति से ही प्रेम करने वाली नायिका - स्वकीया

दूसरे पुरुष से प्रेम करने वाली नायिका - परकीया

वह नायिका जिसका पति परदेश चला गया हो - पोषितपत्निका

वह नायिका जिसका पति परदेश से आने वाला हो - आसन्नपत्निका

वह नायिका जिसका पति परदेश से लौट आया हो - आगतपत्निका

वह नायिका जिसका अभी-अभी विवाह हुआ हो - (नवोद्गा)

वह नायिका जिसके पति ने दूसरा विवाह कर लिया हो - (सहयुग्मा)

वह नायिका जिसके विवाह का (वचन) दे दिया गया हो - (वाग्दत्ता)

हंस की तरह चलने वाली स्त्री - हंसगामिनी

क्षिप्र की स्तम्भान चलने वाली स्त्री - गजगामिनी

मृग की तरह आँखों वाली - मृगनयनी

मधुमती की तरह आँखों वाली - मीनाक्षी

वह स्त्री जो पहले पति के मरने पर दूसरे से व्याही गई हो - (पुनर्भू)

जिस स्त्री के पुत्र पति न हो - अविवा

वह नायिका जो प्रिय से मिलने के लिए रात में निष्क्रिय स्थान पर जाये

- आभिसारिका

एक साथ अनेक तरह का काम करने वाला - बहुघन्धी

दशक - 10
 शताब्दी - 100
 राज जयन्ती - 25
 स्वर्ण जयन्ती - 50
 हीरेक जयन्ती - 60
 प्लेदिनम - 75

दस वर्षों का समय - दशक
 सौ वर्षों का समय - शताब्दी
 सौ की संख्या - शत

पच्चीस वर्षों पर मनाया जाने वाला उत्सव - राज जयन्ती
 पचास वर्षों पर मनाया जाने वाला उत्सव - स्वर्ण जयन्ती
 साठ वर्षों पर मनाया जाने वाला उत्सव - हीरेक जयन्ती
 किसी महान् व्याक्ति के सौवें वर्ष का उत्सव - जन्म शताब्दी
 किसी महान् व्याक्ति के निधन की वार्षिक तिथि - पुण्य तिथि

✓ जो नियमानुसार न हो - अनियमित

जो ज्येष्ठ गुणों से युक्त हो - आर्य

✓ धर्म का पालन करने वाला - धर्मनिष्ठ

धर्म को जानने वाला - धर्मज्ञ

जिसे बाणी व वचन झारा न कहा जा सके - अनिवर्चनीय

जो आँखों से सुनता हो - पक्षुश्रवा

✓ जो जानने योग्य हैं - ज्ञेय

✓ जिसका क्रम न डूटे - सतत

जहाँ सेना रखी जाती है - दारुनी

महमैले रंग का - धूसर

अंगूर के रस से बनाई जाने वाली दवा - द्राक्षासव

जो कष्ट सहन कर सके - कष्ट सहिष्णु

जो आँखों के सामने उपास्थित न हो - परोक्ष

✓ सुधी प्रशंसा करने वाला - चापलूस

✓ वह भारतीय जो विदेश में रहता है - प्रवासी

अपनी इच्छा से आचरण करने वाला - स्वेच्छाचारी

दाती के बल चलने वाला - उरग

✓ आँख मूद कर पीढ़े-पीढ़े चलना - अंधानुकरण

रंगमंच के परदे के पीछे का स्थान - नेपथ्य

जो दान पर चलता है - दातव्य

अच्छा हृदय रखने वाला - सुहृदय

दिशाएं ही जिनका वस्त्र है - दिगम्बर

एक ही बात को बार-बार कहना - पिष्टपेषण

✓ घर बसाकर रहने वाला - गृहस्थ

शब्द समूहों के तिरु रूप शब्द

PCS (Mains) 2011.

- (i) जिसका उत्तर न दिया गया हो - अनुत्तरित
- (ii). अपने मत को मानने वाला - स्वमतावलंबी
- (iii). जो कहा न गया हो - अकथ्य
- (iv) परम्परा से सुना हुआ - पारम्परिक
- (v). जो देखने योग्य हो - द्रष्टव्य

PCS (Mains) 2010

- (i). जिसे जानने की इच्छा है - जिज्ञासु
- (ii). पृथ्वी से सम्बंध - पार्थिव
- (iii). जो शर्व में था, परन्तु अब नहीं - शून्यशर्व
- (iv). जो कछिआई से मिलता है - (दुर्लभ)
- ✓ (v). जो आँख से परे हो - परोक्ष

PCS (Mains) 2009

- (i). संदेश ले जाने वाला - संदेश वाहक
- ✓ (ii). जिसकी गठराई नापी न जा सके - अथाह
- ✓ (iii). नष्ट न होने वाला - (अनश्वर)
- (iv). जिस हत्ती का पति जीवित है - सधवा
- (v). व्यर्थ खर्च करने वाला - अपव्ययी

PCS (Mains) 2008

- (i). जिसकी आज्ञा न की गई हो - अप्रत्याशित
- (ii). जानने की इच्छा रखने वाला - जिज्ञासु
- (iii). पक्ष के शय होड़ दी गई हत्ती - (परिचयकला)
- (iv). ठीकी की तरह चलने वाली हत्ती - गजगात्री
- (v). जिसका शत्रु न जन्मा हो - अजातशत्रु

क्षीर पर चारण करने योग्य - क्षीरोधार्य
जिसके हृदय में समता नहीं - निर्मम
जिसके हृदय में दया नहीं - निर्दय
पीढ़े जन्म लेने वाला - अनुप
आगे जन्म लेने वाला - अग्रज

✓ जो कुछ नहीं जानता - अज्ञ

स्त्री के वश में रहने वाला - स्त्रैण

✓ जो अत्यन्त कष्ट से निवारित हो - दुर्निवार

जो खरों से जन्मता है - सरासिज

दूसरों का भला चाहने वाला - परार्थी

अपना भला चाहने वाला - स्वार्थी

आया हुआ - आगत

✓ लौट कर आया हुआ - प्रत्यागत

देखने योग्य - दृष्टव्य

सूझने योग्य - प्रवृत्तव्य

करने योग्य - कर्तव्य

सूझने योग्य - सूक्ष्म

खनने योग्य - खन्य

खाने योग्य - खाद्य

आदि से अन्त तक - आद्योपान्त

V. Imp { जिससे सिद्धा न जा सके - अपरिमेय

{ जिससे प्रमाण ठाय सिद्ध न किया जा सके - अप्रमेय

✓ लाभ की इच्छा - लिप्सा

✓ जीतने की इच्छा - जिगीषा

खाने की इच्छा - बुभुक्षा

{ जिसे अपने कर्तव्य का ज्ञान न हो - कर्तव्यविमूढ

{ जिसे अपना कर्तव्य न समझ रहा हो - किंकर्तव्यविमूढ

किसी वस्तु को पाने की तीव्र इच्छा - अग्रिप्सा

जिसे खरीद लिया गया हो - क्रीत

बेवह गुणों से संपन्न सुखीर नायक - धीरोदान्त

आजीवन ब्रह्मचर्य का व्रत लेने वाला - नौर्विक

पीढ़ी/पिता से प्राप्त हुई संपत्ति - रिक्थ / धात्री / विरासत

सबकुछ पाने वाला - सर्वलब्ध

शरीर के साथ काम करने का समझौता - संविदा

PCS (Mains): 2008 Spl.

- (i). जिसका ईश्वर में विश्वास हो - आस्तिक
- (ii). वह जिसका कोई शत्रु न हो - निःशत्रु
- (iii). वह लड़की जिसका विवाह होने को हो - आयुवमति ✓
- (iv). वनस्पति का आहार करने वाला - शाकाहारी
- (v). जो दायर मुकदमे का प्रतिवाद करे - प्रतिवादी

PCS (Mains): 2007

- (i). जिसके आने की तिथि न हो - अतिथि
- ✓ (ii). जिसे भले-बुरे का ज्ञान न हो - (अविवेकी)
- (iii). पैर से महसूस तक - आपाद महसूस ✓
- (iv). नीले रंग का कमल - इन्दीवर ✓
- (v). जो अभी-अभी उत्पन्न हुआ हो - प्रव्युत्पन्न ✓

PCS (Mains): 2006

- (i). जिसे ईश्वर में विश्वास न हो - नास्तिक
- (ii). पत्थर से उत्पन्न होने वाला - स्वेदज
- (iii). जो मौसम न खाता हो - निरामिष
- (iv). जानने की इच्छा रखने वाला - जिज्ञासु
- (v). जहाँ खाना मुफ्त में मिलता हो - खदाहर Imp

PCS (Mains): 2005

- ✓ (i). जो कुछ नहीं जानता है - (अज्ञ)
- (ii). धरती और आकाश के बीच का स्थान - (अधर)
- (iii). जो गठना करने के अयोग्य हो - नगण्य
- ✓ (iv). मन की बात जानने वाला - मर्मज्ञ ✓
- (v). जिसे बुलाया न गया हो - अनाहूत ✓

PCS (Mains) 2004

- (i). जिले शब्दों में न कहा जा सके - अकथनीय
- (ii). गुरु के समीप या साथ रहने वाला छात्र - अन्तेवासी ✓
- (iii). जिलका कभी अंत न होने वाला हो - अनंत
- (iv). जो सब कुछ उदारता से देना जानता हो - (सौदार्यदाता) ✓
- (v). जो जरा सा भी खर्च करने में आनाकानी करता हो - कंजूस

PCS (Mains) 2004 Spl.

- (i). प्रिय वचन बोलने वाली स्त्री - प्रियंवदा ✓
- (ii). जिलको जीतने वाला कोई शत्रु पैदा न हुआ हो - अजातशत्रु
- (iii). जो बहुत आगे तक सोच कर काम करता हो - अग्रसोची
- (iv). जो मृत्यु के मुख में जाने को है - मरणसन्न
- (v). बहुत दिनों तक स्मरण रखने योग्य - चिरस्मरणीय

PCS (Mains) 2003

- (i). जिलके आने की तिथि न हो - अतिथि
- (ii). जिले भले - बुरे का ज्ञान न हो - अविवेकी
- (iii). जिले वाली व्यक्त न कर सके - (अनिवर्चनीय) ✓
- (iv). जिलका कोई शत्रु उत्पन्न न हुआ हो - अजातशत्रु
- (v). ऐसा गृहण जिलमें पूरा खर्च ढँक जाय - सर्वगास

PCS (Mains) 2002

- (i). ऐसी जीविका जो आकांक्षिक हो - (आकांक्षार्थि) ✓
- (ii). पृथ्वी व गूठों के बीच का स्थान - (अंतरिक्ष) ✓
- (iii). जो सामान्य नियम के विरुद्ध हो - (अविधिक) ✓
- (iv). ज्ञान के नेत्र से देखने वाला अन्धा व्यक्ति - (दिव्यचक्षु) ✓
- (v). दूध-दही, घृत-शर्करा तथा मधु मिश्रित पदार्थ जो देवताओं व भगवान के स्नान के लिये बनाया जाता है - पंचामृत

PCS-2001

- (i) जिसकी कोई सीमा न हो - असीम
- ✓ (ii) जिसको जाना न जा सके - अज्ञेय
- (iii) जो सब कुछ जानता हो - सर्वज्ञ
- (iv) जिसका आदि-अन्त न हो - शाश्वत
- (v) जो पढ़ना-लिखना जानता हो - साक्षर

PCS-2000

- (i) जो व्याकरण अच्छी तरह जानता हो - वैयाकरण ✓
- (ii) दोपहर के बाद का समय - अपराह्न
- (iii) जिस पर मुकदमा चलाया गया हो - प्रतिवादी
- (iv) जो व्यक्ति अधिक बोलता हो - वाचाल ✓
- (v) जिसे अपने कर्तव्य का ज्ञान न हो - कर्तव्यविमूढ़

PCS-1999

- (i) जो कुछ न जानता हो - अज्ञ
- (ii) धरती व आकाश के बीच का स्थान - अधर
- (iii) जिसका ज्ञान इन्द्रियों द्वारा न हो - अतीन्द्रिय
- ✓ (iv) जिसके खिर पर चन्द्रमा है - चन्द्रमौलि
- (v) जिसे अपने कर्तव्य का ज्ञान न हो - कर्तव्यविमूढ़

PCS (Mains): 1998

- (i) जो व्यक्ति विदेश में रहता हो - प्रवासी
- (ii) जो एक से अधिक भाषाएं जानता हो - बहुभाषाविद्
- (iii) जो युद्ध में स्थिर रहता हो - युधिष्ठिर
- (iv) रांछा व रात्रि के बीच का समय - प्रदोष
- (v) अनुचित बात करने के लिए अनुग्रह करना - दुराग्रह

PCS (Mains) : 1997

- (i) जानने की इच्छा रखने वाला - जिज्ञासु
- (ii) जिसके हृदय में ममता नहीं - निर्मम
- ✓ (iii) जो हमेशा रहने वाला हो - शाश्वत
- (iv) जिसकी स्त्री सुन्दर हो - सुश्रूषि
- (v) जो आमिष (मांस) नहीं खाता - निरामिष
- (vi) जो मृत्यु के समीप हो - मरणालम्ब
- (vii) जो उपकारों को नहीं मानता - कृतघ्न
- ✓ (viii) कठिनाई से समझने योग्य - दुर्बोध

PCS (Mains) : 1996

- (i) जिस पर अनुग्रह किया गया हो - अनुगृहीत
- (ii) जिसका निवारण न हो सका हो - अनिवार्य
- ✓ (iii) जो किली पर अभियोग लगाए - सामियोगी, जिस पर अभियोग लगाया जाय - आक्षेपक
- (iv) जो अवश्य होने वाला हो - अवश्यंभावी
- ✓ (v) जो विधि/काय के विरुद्ध हो - अवैध
- (vi) जो शोक करने योग्य न हो - अशोक्य
- (vii) जिस पर आक्रमण हो - आक्रान्त
- (viii) जिस पर चिह्न लगाया गया हो - चिह्नित

PCS (Mains) : 1995

- (i) जिसके समान दूसरा न हो - आद्वितीय
- (ii) जो सब कुछ जानता हो - सर्वज्ञ
- ✓ (iii) जिसका कोई अर्थ न हो - व्यर्थ
- (iv) जो उपकार मानता हो - कृतज्ञ
- (v) जो पदना लिखना जानता हो - लाक्षर
- (vi) जिससे जीता न जा सके - अपेय
- (vii) जिसका कोई शत्रु न जन्मा हो - अजातशत्रु
- (viii) अग्ने कुल में जन्म लेने वाला - कुलीन
- (ix) जो शू को धारण करे - शूधर
- ✓ (x) जिसने मृत्यु को जीत लिया हो - मृत्युञ्जय

PCS (Mains) : 1994

- (i) जिस पर अनुग्रह किया गया हो - अनुगृहीत
- (ii). गुरु के साथ या समीप रहने वाला दान - अन्तेवासी
- (iii). जो कुछ न जानता हो - अज्ञ
- (iv). जिसका निवारण न हो सकता हो - अनिवार्य
- (v). जो अवश्य होने वाला हो - अवश्यंभावी
- (vi). जो विधि या कानून के विरुद्ध हो - अवैध
- (vii). जो शोक करने योग्य न हो - अशोक्य
- (viii). जिस पर आक्रमण हो - आक्रान्त
- (ix). जिस पर चिह्न लगाया गया हो - चिह्नित

PCS (Mains) : 1993

- (i) जानने की इच्छा - जिज्ञासा
- (ii). जिसके हृदय में ममता नहीं - निर्मम
- (iii). जो हमेशा रहने वाला हो - शाश्वत
- (iv) जिसकी स्तीर्षा सुन्दर हो - सुशील
- (v). जो अमिष (मांस) नहीं खाता - निरामिष
- (vi). जो मृत्यु के समीप हो - मरणासन्न
- (vii). जिसका कोई शत्रु न जन्मा हो - अजानशत्रु
- (viii). जो किये गये उपकार को नहीं मानता - कृतघ्न
- (ix). कठिनाई से समझने योग्य - दुर्बोध
- (x). विदेश में वास करने वाला - प्रवासी

PCS (Lower) 2008

- (i) जो वेतन लिए बिना कार्य कर रहा हो - अवैतनिक
- (ii) जो किसी के खजाने में कार्य कर रहा हो - कार्यवाहक
- (iii) जो उस पद पर होने के कारण किसी कार्य में रत हो - पदेन
- (iv) जो कुछ समय के लिए नियुक्त किया गया हो - तदर्थ
- (v) जो अपनी अवधि तक काम करता है -

PCS (Lower) 2006 spl.

- (i) जिसे छोड़ा न जा सके - अत्याज्य
- (ii) जो आँखों से खुला हो - पशुधरा
- (iii) जो पैर के बल चलता हो - उदरचर
- (iv) जिसका किसी तरह उलंघन न किया जा सके - अनुलंघनीय
- (v) जिसका उत्तर न दिया जा सके - अनुत्तरित

PCS (Lower) 2004

- (i) जिसे स्तब्ध न खड़ा रहा हो - किंकर्ण्यविमूढ़
- (ii) सौ वर्षों का समूह - शताब्दी
- (iii) दो प्रिन्स शासकों के बीच मध्यस्थता करने वाला - दुभाषिया
- (iv) विष्णु का उपासक - वैष्णव
- (v) गौद लिया हुआ - दत्तक

PCS (Lower) 2003

- (i) जानने की इच्छा रखने वाला - जिज्ञासु
- (ii) जिसकी आशा न की गई हो - अप्रत्याशित
- (iii) जो युद्ध में स्थिर रहता है - युधिष्ठिर
- (iv) जो अग्नि कुल में उत्पन्न हो - कुलीन
- (v) जो हल्की कविता रचती है - कवयित्री

PCS (Lower) 2002

- (i) जिसे क्षमा न किया जा सके - अक्षम्य
- (ii) जिस पर मुकदमा चला रहा हो - प्रसिद्धी